भारत की विदेश–नीति (Foreign Policy Of India)

डॉ0 रत्नेश रंजन

प्रत्येक देश अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा एवं अभिवृद्धि के लिए कुछ नीतियाँ निर्धारित करता है। वह नीति जिसका सम्बन्ध अन्य देशों के आचरण तथा उनके साथ सम्बन्धों से होता है, विदेश नीति ;थ्वतमपहद च्वसपबलद्ध कहलाती है। आवश्यक होने पर प्रत्येक राष्ट्र यह प्रयास करता है कि वह अपने व्यवहार को अपनी रूचि के अनुसार परिवर्तित करवाये। कभी–कभी उसे अपने व्यवहार में भी परिवर्तित करना पड़ जाता है। राष्ट्रों के व्यवहार में परिवर्तन करवाने के आधार को विदेश–नीति का सार कहा जाता है। मौडेल्स्की ने विदेश–नीति को परिभाषित करते हुए लिखा है कि, **''कोई राज्य अन्य राज्यों के व्यवहार में परिवर्तन करवाने के लिए जो उपाय करता है, उन्हें विदेश–नीति कहा जाता है।''**